श्री मल्लिकार्जुन : मैं सदन को पहले ही बता चुका हूं कि सरकार कर्मचारियों की स्थिति के बारे में प्रतिपक्ष नेताओं से बढ़कर सोचती है । कानून में जो चीजें हैं, और स्टेचूटरी प्राबीजन्ज हैं-- मिनिमम वेजेज एक्ट और कम्पेनसेशन एक्ट के, रेलवे एडमिनिस्ट्रेशन उन के अधीन कान्ट्रैक्ट लेबर को अनुबन्धित करती है ।

SHRI GHULAM RASOOL KOCHAK: Will the Government invoke Essential Services Maintenance Act in the case of such workers?

SHRI MALLIKARJUN: The purpose of the Essential Services Maintenance Act is quite different. In the interest of maintenance of peace and security in the country, wherever necessary this Act will be invoked, but not everywhere.

Functioning of Khalistan Consulate in Canada

*169. SHRI RASHEED MASOOD: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government is aware of the functioning of a "Consulate" of the Khalistan organisation in Vancouver (Canada) and giving of military training to the activities; and

(b) if so, reaction of the Government thereto?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI P. V. NARASIMHA RAO): (a) Yes, Sir. It has come to the notice of the Government that a so called "Consulate of the Khalistan" organisation has been set up in Vancouver, Canada. The Government is also aware of reports to the effect that the activists of the movement may be given military training.

(b) Government of India's concern at this has been conveyed in suitable terms to the Canadian authorities.

श्री रशीद मसूद : अध्यक्ष महोदय, जैसा कि सभी लोग जानते हैं कि खालिस्तान का मूवमेंट हिन्दुस्तान के लिए खतरा बनता जा रहा है । मैं मोहतरिम वजीर साहब से पूछना चाहता हूं, जैसा कि कहा गया है कि अखबारों में आया है, कि खालिस्तान की स्टैम्प पर हमारी पोस्टल स्टैम्प लगे हुए खत डिलीवर हुए हैं, उसके लिए कौन जिम्मेदार है और क्यों ऐसा हुआ तथा क्या उन लोगों के खिलाफ कोई एक्शन लेने का इरादा है ?

[شری رشید مسعود : اردو میں

مسعود - جیسا کہ سبھی لوگ جانتے ہیں کہ خالصتان کا موومنٹ ہندوستان کے لئے خطرہ بنتا جا رہا ہے - میں محترم وزیر صاحب سے پوچھنا چاہتا ہوں جیسا کہ اخباروں میں کہا گیا ہے کہ اخباروں میں آیا ہے کہ خالصتان کی اسٹیمپ پر ہماری پوسٹل اسٹیمپ لگے ہوئے خط ڈلیور ہوئے ہیں اس کے لئے کون ذمہ دار ہے اور کیوں ایسا ہوا تھا کیا ان لوگوں کے خلاف کوئی ایکشن لینے کا ارادہ ہے -]

श्री पी० वी० नरसिंह राव : अध्यक्ष महोदय, हमारी पोस्टल स्टैम्प के साथ जब कोई दूसरी स्टैम्प लग जाती है, जिसकी कोई कीमत नहीं होती है और हमारी पोस्टल स्टैम्प बराबर होती है, जिसकी अपनी कीमत है, तो फिर उस पर कोई एक्शन नहीं हो सकता है ?

... (व्यवधान) ...

श्री रशीद मसूद : मेरा कहना दूसरी स्टैम्प के बारे में है ।

[شری رشید مسعود : میرا کہنا

دوسری اسٹیمپ کے بارے میں ہے -]

श्री पी० वी० नरसिंह राव : कानून की बात कर रहा हूं इसीलिए मैंने कहा है कि जहां-जहां पोस्टल स्टैम्प निकाले जा रहे हैं

... (व्यवधान) ...

श्री मनीराम बागड़ी : अगर किसी देश के व्यापारी का टिकट हो, तो कोई कानून नहीं है।

... (व्यवधान) ...

अध्यक्ष महोदय : अगर कोई ऐसा कानुन है, तो उसे बदल देना चाहिए।

... (व्यवधान) ...

श्री मनीराम बागड़ी : अध्यक्ष महोदय, देखिए—बेशर्मी की बात करते हैं ... (व्यवधान) ... ये खालिस्तान के हिमायती हैं क्या ?

अध्यक्ष महोदय : मैं आपको टाइम दूंगा, आप चिन्ता क्यों करते हैं। आप मेरी ईजाजत लीजिए।

श्री मनीराम बागड़ी : मैं आपसे ही कह रहा हूं, मैं आपका हुक्म मानूंगा।

... (व्यवधान) ...

श्री शिवकुमार सिंह ठाकुर : अध्यक्ष महोदय, बागड़ी जी को समझाइए, यह रोज की बात है। आपको इनके खिलाफ कोई एक्शन लेना चाहिए।

... (व्यवधान) ...

श्री पी० वी० नरसिंह राव : यह प्रश्न बड़ा गम्भीर है। यह जो तथाकथित वहां कार्यवाही की जा रही है, कान्सुलेट वगैरह के नाम से, यह बहुत गलत है। हम कनाडा की सरकार से कह चुके हैं, कहते जा रहे हैं, हमारे गृह मंत्री जी ने यहां इसी सदन में एक लम्बा वक्तव्य दिया, जिसम उन्होंने सारी बातों पर रोशनी डाली है। उनकी बातचीत कनाडा के एक मंत्री, जो यहां आए थे, से हुई हैं और साफ़ तौर से कहा गया है कि कनाडा में अगर कोई ऐसा कानून है, जिसके अनुसार ऐसी गतिविधियों पर पाबन्दी नहीं लगाई जा सकती, तो उस कानून को बदलना चाहिए। यह सुझाव भी हमारे गृह मंत्री जी ने दे दिया है।

अब रही हमारे देश की बात, हमारे देश में ऐसा स्टैम्प कहीं इस्तेमाल में नहीं आया है, जहां तक हम जानते हैं और यदि कोई ऐसी वारदात हुई, जिसमें यह स्टैम्प इस्तेमाल किया गया या कोई उनका नोट लीगल-टैंडर की तरह से इस्तेमाल किया गया' तो कानूनी तौर पर जो कार्यवाही करनी है, की जाएगी।

श्री रशीद मसूद : अध्यक्ष महोदय; कनाडा की सरकार ने क्या जवाब दिया है, यह तो मंत्री जी ने नहीं बताया है। लेकिन वहां मिलिटरी ट्रेनिंग दी जा रही है और मालूम हुआ है कि एक खास बिरादरी, ** के लोगों को ट्रेनिंग दी जा रही है। यहां पर जो बम्ब विस्फोट हुआ है, उसमें वे इन्वाल्व्ड हैं, लेकिन उनको पकड़ा नहीं जा रहा है। क्यायह बात सही है कि एक खास बिरादरी के लोगों पकड़ा नहीं जा रहा है। और ट्रेनिंग दी जाती है, इस सम्बन्ध में कनाडा ने क्या जवाब दिया है ?

**Expunged as ordered by the Chair.

[شری رشید مسعود : ادھیکش

مہودے - کناڈا کی سرکار نے کیا جواب دیا ہے یہ تو منتری جی نے نہیں بتایا ہے - لیکن وہاں منتری ٹریننگ دی جا رہی ہے اور معلوم ہوا ہے کہ ایک خاص برادری** منسٹر صاحب تعلق رکھتے ہیں کے لوگوں کو ٹریننگ دی جا رہی ہے - یہاں پر جو ہم وسفوت ہوا ہے اس میں وہ انوالوڈ ہیں لیکن ان کو پکڑا نہیں جا رہا ہے - کیا یہ بات صحیح ہے کہ ایک خاص برادری کے لوگوں کو پکڑا نہیں جا رہا ہے اور ٹریننگ دی جاتی ہے - اس سمبندھ میں کناڈا نے کیا جواب دیا ہے -]

श्री पी० वी० नरसिंह राव : अध्यक्ष महोदय, हमारी जानकारी यह है कि ऐसी कोई बात नहीं है। ट्रेनिंग वाली बात अखबारों में आई है। वहां किसी ऐसी जगह का पता नहीं चला है, किसी ऐसी व्यवस्था या संस्थान का पता नहीं चला है, जहां ट्रेनिंग वगैरह दी जा रही हो। इसलिए अब उस पर कोई बहस नहीं हो सकती और इस पर हम कुछ नहीं कह सकते। जो हमारी चिन्ता है, जो हमारा कन्सर्न है, वह हम उन को बता चुके हैं। उन्होंने कहा है कि ऐसी कुछ कार्यवाही हो, जो हमारे कानून के खिलाफ है तो हम जरूर एक्शन ले सकते हैं। हमारे गृह मंत्री जी ने बताया है कि अगर आपके कानून में कोई कमी है, जिसके कारण ऐसी गतिविधियों पर पाबन्दी नहीं लगा सकते हैं और एक्शन नहीं ले सकते हैं, तो हमारा यह सुझाव होगा कि हमारी मित्रता की खातिर इसको मद्देनजर रखते हुए आप अपने कानून में संशोधन करें।

DR. SUBRAMANIAM SWAMY: In April this year I was myself in Vancouver. I must say that there are a large number of ex-servicemen who are settled there.

Sir, all of them complained that in their pension matters, LIC matters and all other matters there is absolutely no sympathetic hearing from the Indian Consulate there. The Indian Counsel says that there are only two or three people there. So, I would like to know from the hon. Minister whether he is aware that a great disaffection is taking place with the Indian population in Vancouver which is already getting trouble from the local Canadian authorities, as it gets an unsympathetic hearing from the Consulate, the Consulate being grossly understaffed, and whether he would set up a separate cell to see that the ex-Servicemen who have settled down in those areas are able to communicate with this country and get pensions and other benefits in a regular manner instead of running about here and there.

SHRI P. V. NARASIMHA RAO: We shall certainly look into that, but it appears to me an over-simplification to say that because the Consulate is understaffed, all this is happening.

DR. SUBRAMANIAM SWAMY: I mean, the way you treat them like foreigners.

SHRI P. V. NARASIMHA RAO: If it is a question of staffing the Consulate, we shall certainly look into it.

श्री मनीराम बागड़ी : अध्यक्ष जी, यह सवाल बहुत महत्वपूर्ण है और अपनी जगह पर महत्व रखता है। मैं विदेश मंत्री जी से अदब स एक बात कहूंगा—

**Expurged as ordered by the chair.

एक अच्छे ढंग से उन्होंने बात कही— कि क्या आप ऐसा कानून बनाने की उम्मीद रखते हैं केनाडा से कि आप के राष्ट्र के हित का वह कानून बनाए? क्या आप अपने देश में ऐसा कानून बना नहीं सकते कि जो खालिस्तान की बात करने वाले हों, उन के लिए या जो खालिस्तान के नाम के टिकट, नोट या इस किस्म के पोस्टर मिलें, उन्हें गैर-कानूनी करार दे कर, ऐसे लोगों को गिरफ्तार करें।

राव साहब, इसके पीछे जो इतिहास है, उसे आप समझें। मैं फैक्ट नहीं जानता पर यह जरूर कहता हूं कि केनाडा में **

अध्यक्ष महोदय: मंत्री जी, आप जवाब दीजिए।

श्री मनी राम बागड़ी: गलतफहमी न आ जाए, इस लिए मुझ पूरी बात कहने दीजिए, नहीं तो इसका मतलब यह लगाया जाएगा कि मैं आरोप लगा रहा हूं।

अध्यक्ष महोदयः आप अपना सवाल ही करें, उतना ही।

श्री मनी राम बागड़ी: क्या नजदीक से क्या दूर से...(**व्यवधान**) ...

MR. SPEAKER: Only the question is to be given. The rest will not go on record.

..(**व्यवधान**)** ...

अध्यक्ष महोदय: आप बैठिए।

श्री मनी राम बागड़ी: जो गलत है, आप शुद्ध कर दें।

SHRI JAGDISH TYTLER: This should not abe allowed at all.

Mr. Speaker:

I have done it.

हो गया है मैंने किया है।

श्री मनी राम बागड़ी: मैं सिर्फ राष्ट्र के लिए कहता हूं...(**व्यवधान**) ...

अध्यक्ष महोदय: ठीक है, आप बठिए मंत्री जी, इसका जबाव दीजिए।

श्री पी० वी० नरसिंह राव: मैं जवाब देता हूं। देखिए, इस में एक तो वह सवाल है, जिस को हम अपने कानून से निपट सकते हैं। दूसरा ऐसा सवाल है जो अपने कानून से हम नहीं निपट सकते और उस से कैनाडा निपट सकता है अपने कानून को बदल कर। उस के लिए हम उन से कह चुके हैं। मैंने जैसा पहले कहा था, हमारा कानून सक्षम है इस बात के लिए कि ऐसी कोई गतिविधि हो, तो उस के खिलाफ कार्यवाही करें और यदि ऐसी कोई बात हमारे ध्यान में आए कि हमारा कानून किसी मामले में सक्षम नहीं है, तो उस का संशोधन करना हमारा काम है आप सब का काम है।

SHRI K. MAYATHEVAR: Mr. Speaker, Sir, for the unity and the security and safety of this country it is very essential and urgent to put down the Khalistan movement internally and externally. That is the unanimous view of all the Members of this House and of the nation. So far as putting down the movement internally is concerned, the Home Ministry should take stringent action to put down the activities of the Khalistan movement internally.

So far as external activities of the Khalistan movement are concerned I want from the hon. External Affairs Minister whether these Khalistan founders are so called political leaders or not?

**Not recorded.

My second question is if they are political leaders, under international law did they apply for political asylum to Canada and has political asylum been granted?

My third questions is....

MR. SPEAKER: You cannot have a catalogue....

(Interruptions)

DR. SUBRAMANIAM SWAMY: So far as D.M.K. is involved, you must give some latitude.

SHRI K. MAYATHEVAR: Can we apply for extradition under the international law to the Canadian Government so that there may be extradition of all the anti-national elements and they may be produce before this Government to enable this Government to try them under our law?

SHRI P. V. NARASIMHA RAO: Without going into details, I would like to refer to the hon. Home Minister's very detailed statement made here. He has dwelt on all these aspects, about the persons who are involved in the movement—the so called leaders, who have been made leaders, as he said. They were not leaders originally but they have been made leaders. So, he has given full details on all these aspects to this House. I have nothing to add to what he has said.

SHRI RAJESH KUMAR SINGH: This sensitive subject has been discussed for a long time. As I said in my speech, it is difficult to believe the political leadsrs. Can the hon. Minister assure the House on the basis of authentic reports from the Missions abroad that the visits of the political leaders recently abroad had no reaction?

SHRI P. V. NARASIMHA RAO: Certainly. I can make that assurance.

Diversion of Karaput-Parvathipuram Line

*171. SHRI V. KISHORE CHANDRA S. DEO: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government are proposing to divert the proposed Koraput to Parvathipuram, railway line into Koraput - Raigarh line via Orissa;

(b) whether the distance between Koraput and Parvathipuram (Andhra Pradesh) is much less than between Koraput and Raigarh; and

(c) if so, the reasons for diverting the proposed Koraput to Parvathipuram line?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRIES OF RAILWAYS AND EDUCATION AND SOCIAL WELFARE AND DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI MALLIKARJUN): (a) Out of the two alignments considered, the one connecting Koraput and Rayagade (in Orissa) has been selected for construction.

(b) Yes, Sir.

(c) Though longer, the Koraput-Rayagada alignment is more advantageous technically financially and operationally.

SHRI V. KISHORE CHANDRA S. DEO: Rayagada to Koraput—there would be two ghat sections in this line. I do not know on what basis you selected this because from Rayagada and Parvathipuram there is already a railway line just on the main line of Madras—Bokaro Steel.

This will cover about 45 to 60 villages in Andhra Pradesh tribal villages. This new route is longer and is going to cost you more also.

SHRI MALLIKARUN: Koraput to Rayagada is not 200 kilomtres. But it is 174 kilometres. It is true that this alignment has been selected which is 45 kilometres more than Koraput and Parvathipuram. On the other hand we have to see certain other factors. We have to see that